सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-258 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शुक्रवार 23 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

ऑपरेशन सिंदूर से बीकानेर से निकला संदेश

अब भारत की चुप्पी नहीं, प्रतिशोध बोलेगा, मोदी की रगों में लहू नहीं गरम सिंदूर बहता है

बीकानेर। बीकानेर की सरज़मीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, तो वो सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई का संकेत नहीं था, बल्कि भारत की बदलती रणनीति, बदले तेवर और निर्णायक इरादों का ऐलान था। यह भाषण अपने आप में तीन सूत्रीय रणनीति का दस्तावेज बन गया, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी खेल, वैश्विक मंच पर उसकी साख, और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की नई परिभाषा दर्ज है।

प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत पर अगर कोई आतंकी हमला हुआ, तो जवाब कब देना है, कैसे देना है और किस शर्त पर देना है, यह भारत की सेनाएं तय करेंगी। यह कथन सैन्य नीति में 'प्रोएक्टिव डिफेंस' की स्पष्ट झलक देता है। अब न तो भारत किसी हमले का इंतज़ार करेगा, न कूटनीतिक प्रतिक्रिया तक सीमित रहेगा। यह आत्मरक्षा नहीं, प्रतिकार है-जिसमें पहल भारत के हाथ में है।

पाकिस्तान की पारंपरिक 'न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग' को मोदी ने खुली चुनौती दी। उन्होंने साफ किया कि अब भारत को 'गिदड़ भभकियों' से डराने की कोशिश बेकार है। भारत उस मुकाम पर है जहां सामरिक संतुलन सिर्फ मिसाइलों और बमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और वैश्विक समर्थन से तय होता है।

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के उस 'स्टेट बनाम नॉन-स्टेट एक्टर्स' के खेल को सिरे से खारिज कर दिया, जिसे वह सालों से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोहराता आ रहा है। भारत ने अब साफ कर दिया है कि आतंकवाद फैलाने वाले संगठनों और उन्हें शह देने वाली सरकारें एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान चाहे जितनी भी कूटनीतिक चालें चले, अब उसके झूठ को बेनकाब करने के लिए भारत ने सात प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे हैं, जिसमें राजनीतिक से लेकर विदेश नीति के जानकार तक शामिल हैं।

अब लहू नहीं, गरम सिंदूर बह रहा है卐 ङ्क प्रधानमंत्री का भावनात्मक आह्वान

मोदी ने सिर्फ रणनीतिक बातें नहीं कीं, उन्होंने एक भावनात्मक लहर भी छेड़ दी-卐अब मोदी की नसों में लहू नहीं, गरम सिंदूर बह रहा है।

यह पंक्ति एक प्रतीक बनकर उभरती है-जहां राष्ट्र की रक्षा अब सिर्फ कर्तव्य नहीं, बल्कि मां भारती के नाम की सौगंध है। पाकिस्तान को हर आतंकी हमले की कीमत चुकानी होगी-ये कीमत उसकी सेना और अर्थव्यवस्था दोनों से वसूली जाएगी।

बीकानेर एयरबेस पर हमला-सीधा संदेश

प्रधानमंत्री ने इस बात को भी रेखांकित किया कि पाकिस्तान ने बीकानेर एयरबेस को निशाना बनाया, लेकिन हमारा एयरबेस का बाल भी बांका नहीं हुआ। यहां से कुछ ही दूरी पर पाकिस्तान के एयरबेस को हमने तबाह कर दिया। कब चालू होगा पता नहीं क्योंकि वो आईसीयू में है। हमारे एयरबेस पर हमला भारत की संप्रभुता, आत्मसम्मान और संकल्प पर हमला था। और अब भारत की नीति स्पष्ट है-नो ट्रेड, नो टॉक-जब तक आतंक का निर्यात जारी है, तब तक बातचीत या व्यापार की कोई गुंजाइश नहीं।

पीओके का मुद्दा-भविष्य की रणनीति का संकेत

बात होगी तो सिर्फ पीओके की होगी-यह वाक्य भविष्य के भू-राजनीतिक संकेत देता है। प्रधानमंत्री ने पहली बार इतने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अब भारत की वार्ता सूची में शामिल है-लेकिन इस बार वापस लाने की दिशा में।

राजनीतिक संदेश भी साफ = मोदी शांत हैं, पर निर्णायक हैं

मोदी ने अपने अंदाज में यह भी कहा-मोदी का दिमाग ठंडा रहता है, पर लहू गरम रहता है। मोदी की रगों में अब खून नहीं गरम सिंदूर बहता है। इसका सीधा अर्थ है कि देश की नीति अब जल्दबाजी या भावनाओं में नहीं, पर ठोस रणनीति और गरमजोशी से तय होगी। एक ऐसा संयम, जिसमें गुस्सा नहीं पर प्रतिशोध है।

बीकानेर से देश को जो संदेश मिला है, वह सिर्फ भाषण नहीं है। यह 21वीं सदी के भारत की सुरक्षा नीति का मैनिफेस्टो है। अब न भारत दुनिया की नसीहतों के भरोसे रहेगा, न किसी के डर से रुकेगा। अब जवाब होगा-भारतीय शर्तों पर, भारतीय अंदाज में। अब हमला सिर्फ सीमा पर नहीं, विचारधारा और व्यवस्था पर होगा।

मोदी का दिमाग ठंडा रहता है, लेकिन खून गरम बहता है

बीकानेर । भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक सभा में आम जनता को संबोधित किए।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान परस्त आतंकवाद पर करारा हमला बोलते दिखे। प्रधानमंत्री ने कहा- 'मोदी की नसों में खून नहीं गरम सिंदूर बह रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि जो अभी तक ललकारते अब घरों में दुबक कर बैठे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने कहा था उसने नाल एयरबेस को तबाह कर दिया है और मैं आज उसी एयरबेस पर उतरा हूं।

जयपुर ग्रामीण का बदला नक्शा!

बनाई गई 141 नई ग्राम पंचायतें; 4 नई पंचायत समिति भी बनीं

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर जिले में पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है। इस ऐतिहासिक कदम के तहत जिले में 141 नई ग्राम पंचायतों और 4 नई पंचायत समितियों का गठन किया गया है, जिससे न केवल ग्रामीण प्रशासन मजबूत होगा बल्कि स्थानीय विकास को भी नई गति मिलेगी।

ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़कर 598

जयपुर जिले में पहले 466 ग्राम पंचायतें थीं। सूत्रों के अनुसार, प्रशासन द्वारा की गई समीक्षा, आपत्तियों के निस्तारण और विस्तृत पुनर्गठन प्रस्ताव के बाद 9 ग्राम पंचायतों को समाप्त किया गया तथा 141 नई ग्राम पंचायतें गठित की गईं। इसके साथ ही अब जिले में ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 598 हो गई है।

चार नई पंचायत समितियों का गठन

पुनर्गठन के तहत रामपुरा डाबड़ी, चौमूं, अमरसर और बांसखो नाम से चार नई पंचायत समितियां बनाई गई हैं। इसके साथ ही जयपुर जिले में अब कुल पंचायत समितियों की संख्या 19 से बढ़कर 23 हो गई है।

सबसे बड़ी-सबसे छोटी पंचायत समितियां

जानकारी के मुताबिक पुनर्गठन के बाद सबसे बड़ी पंचायत समिति जमवारामगढ़ बन गई है, जिसमें कुल 40 ग्राम पंचायतें हैं। वहीं, सबसे छोटी पंचायत समिति तूंगा है, जिसमें 17 ग्राम पंचायतें हैं। बता दें, तूंगा और बस्सी पंचायत समितियों को विभाजित कर बनाई गई नई बांसखो पंचायत समिति के कारण तूंगा सबसे छोटी बनी है।

इससे पूर्व में गोविंदगढ़ सबसे बड़ी पंचायत समिति थी जिसमें 47 ग्राम पंचायतें थीं। पुनर्गठन के बाद गोविंदगढ़ और चौमूं में अब कुल 61 ग्राम पंचायतें (चौमूं में 34 और गोविंदगढ़ में 27) हो गई हैं।

स्थानीय विकास को मिलेगा बल

गौरतलब है कि भजनलाल सरकार के इस व्यापक पुनर्गठन से स्थानीय प्रशासनिक इकाइयों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक सुगमता से पहुंचेगा। साथ ही जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन का अवसर मिलेगा।

भयंकर गर्मी से जूझ रहा है राजस्थान, पिलानी में पारा 47 पार, हीटवेव का रेड अलर्ट जारी

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को यहां सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। गंगानगर सहित राजस्थान के कई जिले देश में सबसे गर्म इलाके रहे। सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगागनर में 47. 6 व पिलानी में 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को राजस्थान में हीट

वेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान इस समय भीषणतम गर्मी का सामना कर रहा है। बुधवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दो शहरों में अधिकतम तापमान 47 डिग्री के पार चला गया जबकि तीन अन्य शहरों में यह 46 डिग्री सेल्सियस तथा रहा। बुधवार को प्रदेश के कई शहरों में भयानक हीट वेव्स चलीं।

राजधानी जयपुर में रात को भी हीट वेव्स का असर रहा। गुरुवार को प्रदेश के 13 शहरों में जबरदस्त हीट वेव्स की चेतावनी जारी की गई है, इनमें से 3 शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, वहीं मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में गर्मी सीजन के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगी।

प्रेमिका के लिए 15 लाख में खरीदा पेपर-वो तो बनी थानेदार, प्रेमी के पीछे पड़ गई पुलिस

जयपुर। हाईकोर्ट ने गलत तथ्य पेश कर गुमराह करने के मामले में सख्ती दिखाई। कोर्ट ने प्रेमिका के लिए 15 लाख रुपए में पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा का पेपर खरीदने के आरोपी लेखाधिकारी पुरुषोत्तम दाधीच का राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए जुर्माना लगाया, वहीं पुलिस ने याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।

एफआइआर रद्द करने की लगाई थी याचिका

न्यायाधीश समीर जैन ने गुरुवार को पुरुषोत्तम दाधीच की याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं, इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। याचिकाकर्ता के अनुसार अप्रेल में वह सीजेएम कोर्ट में सरेंडर करने गया, लेकिन कोर्ट ने कस्टडी में नहीं लिया।

कोर्ट पहुंचने का कोई तथ्य नहीं- एसओजी

पुलिस के विशेष कार्यबल एसओजी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के सरेंडर करने के लिए कोर्ट पहुंचने का कोई तथ्य रिकोर्ड पर नहीं है।

प्रेमिका ने खोला राज

याचिकाकर्ता पर प्रेमिका रेणु कुमारी के लिए 15 लाख रुपए देकर पेपर खरीदने का आरोप है और उसका एसआई भर्ती में चयन हो चुका। रेणु कुमारी को अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उसने पूछताछ में बताया कि पेपर पुरुषोत्तम ने उपलब्ध कराया। इसी बीच अक्टूबर में पुरुषोत्तम छुट्टी लेकर फरार हो गया।

स्वास्थ्य विभाग में था लेखाधिकारी

एसओजी ने 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा है और उसके खिलाफ स्थाई गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो चुका है। घटना के समय याचिकाकर्ता स्वास्थ्य विभाग में लेखाधिकारी था और एसओजी की रिपोर्ट के आधार पर उसका वेतन भी बंद किया जा चुका है।

आरबीएसई बारहवीं का परिणाम घोषित

जयपुर की काशवी ने रचा कमाल, 12वीं कॉमर्स में हासिल किए 99% अंक

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) ने गुरुवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम जारी किए। इस बार फिर बेटियों ने बाजी मारी और राजधानी जयपुर की होनहार छात्रा काशवी शर्मा ने कॉमर्स संकाय में 99 प्रतिशत अंक अर्जित कर शहर का नाम रोशन किया। काशवी एन के पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अजमेर स्थित बोर्ड कार्यालय से ऑनलाइन जुड़कर तीनों संकायों-साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स-का परिणाम एक साथ घोषित किया।

जयपुर जिले का शानदार प्रदर्शन

जयपुर जिले में सभी संकायों का औसत परिणाम बेहतरीन रहा

कॉमर्स-99.25% साइंस-98.17% आर्ट्स-97.53%

तीनों ही संकायों में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। बेटियों ने फिर से यह साबित कर दिया कि मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास से कोई भी मंजिल दूर नहीं।

कुल परीक्षार्थियों का आंकड़ा

इस वर्ष कुल 8 लाख 93 हजार 616 विद्यार्थियों ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। साइंस-2,73,984 विद्यार्थी, कॉमर्स-28,250 विद्यार्थी आर्ट्स-5,87,475 विद्यार्थी

वरिष्ठ उपाध्याय-3,907 विद्यार्थी

कॉमर्स में 8,247 छात्र जयपुर से पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 8,120 उत्तीर्ण हुए। साइंस में 39,099 में से 38,149 और आर्ट्स में 48,237 में से 46,397 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

काशवी शर्मा – एक प्रेरणा

काशवी शर्मा की सफलता महज़ एक छात्रा की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें पाने के लिए जी-जान से जुट जाती हैं। उनकी मेहनत और लगन का ही नतीजा है कि वो कॉमर्स संकाय में टॉपर्स की सूची में सबसे ऊपर हैं। अब जबकि परिणाम आ चुके हैं, तो यह वक्त है नए सपनों को आकार देने का। कॉलेज, करियर और लक्ष्य के चुनाव में यह सफलता विद्यार्थियों को नई दिशा देगी। माता-पिता और शिक्षकगणों को भी चाहिए कि बच्चों की रुचि, क्षमता और संभावनाओं के अनुसार उन्हें मार्गदर्शन दें।

अपने ही निकले बेगाने-बुजुर्ग दंपती को बेटे-बहू ने घर से निकाला, अब दर-दर की ठोकरें

दौसा। बुढ़ापा जिसे सुकून और सहारे का समय कहा जाता है, वह इन बुजुर्ग दंपती के लिए अब बेबसी और जिल्लत का दौर बन गया है। कभी सरकारी सेवा में रहकर देश की सेवा करने वाले इस बुजुर्ग दंपती को अब अपने ही बेटे-बहू ने घर से निकाल दिया है। गुरुवार को यह लाचार दंपती सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत वर्मा के साथ न्याय की गुहार लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे।

पीड़ित दंपती ने बताया कि वे रेलवे में सरकारी सेवा में कार्यरत थे। उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए उन्होंने करीब 13-14 साल पहले रेलवे की एक योजना के तहत अपने बेटे को नौकरी दिलवा दी थी। बेटे को जीवन संवारने का अवसर तो दे दिया, लेकिन बदले में जो मिला वह शायद किसी दुश्मन से भी न मिले।

दंपती का आरोप है कि बेटे और बहू ने मिलकर धोखाधड़ी की। पहले भावनात्मक रूप से बहलाकर मकान और जमीन अपने नाम करवा ली, फिर एक दिन मारपीट कर उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। आज ये दोनों बुजुर्ग चलने-फिरने में भी असमर्थ हैं और रहने के लिए सिर छिपाने की जगह तक नहीं है।

दंपती ने कलेक्टर और एसपी से मिलकर आपबीती साझा की और निवेदन किया कि उनके साथ हुए अन्याय पर कार्रवाई की जाए। सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत वर्मा ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में कोई और बुजुर्ग अपने ही बच्चों के हाथों बेसहारा न हो।

यह मामला सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि उस सामाजिक पतन की भी झलक है, जहाँ लालच रिश्तों से बड़ा हो गया है। क्या यह सोचने का समय नहीं आ गया कि हम किस दिशा में जा रहे हैं? जब अपने ही माता-पिता की जगह कब्र से भी बदतर बना दी जाए, तो फिर संस्कारों और संस्कृति की बातें खोखली लगती हैं।

सीएम सिटी में हादसा-जर्जर बिजली के खंभे ने ली महिला की जान, विभागीय लापरवाही से लोगों में उबाल

भरतपुर। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस वक्त हो गया, जब एक जर्जर बिजली का खंभा अचानक गिर पड़ा और उसकी चपेट में आकर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान जीनत के रूप में हुई है, जो कल ही मथुरा से अपने पिता रमजो के घर आई थी। हादसे के बाद इलाके में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोग विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस जर्जर खंभे को लेकर कई बार विद्युत विभाग में शिकायत की गई थी। खंभा पिछले कई महीनों से झुका हुआ था और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आखिरकार वही अनहोनी घट गई, जिसका डर लोगों को लंबे समय से सता रहा था।

बताया जा रहा है कि जीनत शुक्रवार सुबह अपने पिता के घर पर बैठी हुई थी। तभी अचानक बिजली का खंभा उसके घर के पास गिर गया और वह उसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद परिजन और स्थानीय लोग उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

महिला की मौत के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फूट पड़ा।

दर्जनों की संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और विद्युत विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई। घटना की सूचना मिलते ही मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस की एक टीम अब भी घटनास्थल पर तैनात है ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने।

इलाके के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया जाए। उनका कहना है कि अगर समय रहते खंभा बदला गया होता, तो यह हादसा नहीं होता। अब एक निर्दोष महिला की जान चली गई, लेकिन इसकी जवाबदेही कौन लेगा?

यह हादसा न केवल एक प्रशासनिक चूक है, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता की भी मिसाल है। भरतपुर के मथुरा गेट क्षेत्र में हुई यह घटना अब एक चेतावनी बन गई है – कि लापरवाही का अंजाम कभी-कभी जानलेवा भी हो सकता है।

कोरोना वायरस के प्रकोप की भारत सहित विश्व में फ़िर से आहट- विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों में ऐतिहासिक समझौता

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है, या यूं कहें कि संभल नहीं पाए हैं,इस बीच कोरोना महामारी के अनेक वेरिएंट आ चुके हैं,लेकिन अभी मई माह में जो फिर से कोरोना वायरस की आहट हुई है यह कोविड -19 तुल्य है,ऐसी जानकारी मीडिया में आ रही है हालांकि इसका अधिक प्रकोप अभी खासकर हांगकांग सिंगापुर थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है क्योंकि संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी 19 मई 2025 तक 257 केस आ चुके हैं, जिससे शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरहसे अलर्ट मोड में आ गए हैं,हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं,सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग बुलाई जिसमें एनसीडीसी, आईसीएमआर, डिसास्टर मैनेजमेंट सेल और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएमआर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता ज़रूरी है,देश की स्वास्थ्य व्यवस्थाकिसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है, परंतु इस बीच दिनांक 20-21मई 2025 की मध्यरात्रि में जिनेवा में चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य सभा 19, से 27 मई 2025 के 78 वें सत्र में सभा के सभी सदस्यों की आपसी 3 वर्षों की बातचीत के उपरांत भविष्य की महामारी में मिलकर तैयारी करने का समझौता हो गया है, जो रेखांकित करने वाली बात है मेरा मानना है कि अब पूरी दुनियाँ की कोई भी महामारी आ जाए तो अगर पूरा विश्व एक साथ एक दूसरे का सहयोग कर उसका मुकाबला करेगा तो वह कोविड-19 जैसी किसी भी महामारी का गंभीरता से मुकाबला करेगा तो उस महामारी को मैदान छोड़कर भागना ही पड़ेगा यह होता है एक और एक 11 की ताकत का सटीक कमाल! चूँकि कोरोना महामारी कोविड -19 के प्रभाव की आहट फिर भारत सहित कुछ देशों में हो चुकी है, व तीव्रता से संक्रमण शुरू हो गया है तथा विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में भविष्य की महामारियों से एक जुट से लड़ने का ऐतिहासिक समझौता अब हो चुका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक स्तरपर मास्क सैनिटाइजर की फिर आदत फ़िर डालना,भीड़भाड़ वाली जगह व किसी भी अपवाह या डर का शिकार न होना सभी के लिए जरूरी है।

साथियों बात अगर हम कोविड -19 महामारी के भारत में पैर पसारने की करें तो,हालांकि भारत में अभी मामलों की संख्या कम है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो ट्रेंड दिख रहा है, वह चिंताजनक है। अगर सही समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो भारत भी इस नई लहर की चपेट में आ सकता है, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में टीकाकरण का प्रभाव अब कम होने लगा है, बूस्टर डोज की जरूरत एक बार फिर बढ़ गई है, लेकिन लोग इसमें ढिलाई बरत रहे हैं।विशेषज्ञों का कहना है बच्चों बुजुर्गों, 65 साल से ऊपर के लोगों, और जिनकी इम्युनिटी पहले से कमजोर है, उन्हें यह संक्रमण तेजी से पकड़ सकता है,साथ ही मौसमी बदलाव, सामाजिक मेल जोल और अंतरराष्ट्रीय यात्रा भी इसके प्रसार को बढ़ावा दे रहे हैं अभी हुई बैठक में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिवीजन, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ मौजूद थे आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह निष्कर्ष निकाला गया न कि भारत में कोविड-19 स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। सूत्र ने बताया,19 मई 2025 तक भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 257 है। देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत आंकड़ा कम है। इनमें से लगभग सभी मामले ज्यादा गंभीर नहीं हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बढ़ते मामलों को देखते हुए व्यापक तैयारी की जाए।स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 12 मई से अब तक 164 मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे अधिक 69 मामले, तो वहीं महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कर्नाटक में कोविड-19 के 8 नए मामले, गुजरात में 6 और दिल्ली में 3 मामले सामने आए।हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में एक-एक नया मामला सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक है।इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बुलाई गई, बैठक में निष्कर्ष निकाला गया कि भारत में वर्तमान कोविड-19 स्थिति नियंत्रण में है. 19 मई, 2025 तक, भारत में सक्रिय कोविड-19 मामलों की संख्या 257 है, जो देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम आंकड़ा है, इनमें से लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं,मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएम आर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता ज़रूरी है, देश की स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है।अगर फ्लू जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराएं, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए,मास्क और सैनिटाइज़र की आदत फिर से डालें, खासकर भीड़भाड़ वाली जगहों पर,किसी भी अफवाह या डर का शिकार न बनें, लेकिन सतर्क जरूर रहें।

साथियों बात अगर हम सिंगापुर हांगकांग थाईलैंड में कोरोना वायरस (कोविड-19) के अति तीव्रता से संक्रमण की करें तो, कोरोना वायरस एक बार फिर डराने लगा है, ऐसा लग रहा है कि कुछ समय की राहत के बाद वायरस फिर से पैर पसारने लगा है, एशिया के कई देशों मेंकोविड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, खासकर हांगकांग, सिंगापुर और थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है. इन देशों में संक्रमितों की संख्या में तेज़ इज़ाफा हुआ है और अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या भी बढ़ रही है. भारत में भी नए मामलों को लेकर चिंता गहराने लगी है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभी से सतर्कता नहीं बरती गई, तो स्थिति और बिगड़ सकती है सिंगापुर में कोविड-19 के मामलों 28 परसेंट की वृद्धि दर्ज की गई है, हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि सरकार ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है यहां कोविड -19 के कुल अनुमानित केस 14,200 तक पहुंच गए हैं,इससे ज्यादा गंभीर बात यह है कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30 परसेंट का इज़ाफा हुआ।5 मई से 11 मई के बीच सिंगापुर में 25,900 नए केस सामने आए, इसी अवधि में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की औसत दैनिक संख्या 181 से बढ़कर 250 हो गई है. विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 2 से 4 हफ्तों में यह लहर अपने चरम पर पहुंच सकती है। हांगकांग में कोविड-19 संक्रमण की नई लहर शुरू हो चुकी है, यहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब तक 81 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 30 लोगों की मौत हो चुकी।

साथियों बात अगर हम डब्लूएचओ के विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में समझौतों की करें तो,विश्व स्वास्थ्य सभा ने भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहनें के लिए ऐतिहासिक समझौता अपनाया,विश्व का पहला महामारी समझौता मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य सभा के सदस्य देशों द्वारा औपचारिक रूप से अपनाया गया, जो वर्तमान में जिनेवा में चल रहा है,ठन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था 78 वें विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह ऐतिहासिक निर्णय कोविड-19 महामारी के विनाशकारी प्रभाव के जवाब में सरकारों द्वारा तीन साल से अधिक समय तक की गई बातचीत के बाद आया है, और इसका उद्देश्य भविष्य की महामारियों से दुनिया को सुरक्षित बनाना और उनके जवाब में अधिक न्यायसंगत बनाना है, ऐसा डब्ल्यूएचओ ने कहा। यह महत्वपूर्ण समझौता ऐसे समय में हुआ है जब सिंगापुर और हांगकांग सहित अन्य देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि की खबरें आ रही हैं। साथियों बात अगर हम माननीय भारतीय पीएम द्वारा 20 जून 2025 को इस 78 वें सत्र को संबोधन की करें तो, इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य के लिए एक विश्व के मुद्दे पर बात की। पीएम ने कहा कि स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेशिता, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है।

संपादकीय

कोरोना संग जीना

दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन-जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैंसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनदायिनी ऑक्सीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। हमने अपने नागरिकों को ही सुरक्षा कवच नहीं दिया, बल्कि पूरी दुनिया के अनेक देशों को भारत की वैक्सीन व चिकित्सा सामग्री देकर एक मिसाल कायम की है।

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती- चौंकसी बढ़ानी होगी

(लेखक - ललित गर्ग)

पाकिस्तान भारत के अनेक लालची, शानोशौकत के आकांक्षी, देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा, उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी, बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएं, वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। 'ऑपरेशन 'सिंदूर' ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है, बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र-विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दर्शाती ही है, इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़ कितनी जरूरी है। 'ट्रैवल विद जो' नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई, जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति-संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे, लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र-मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज-मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा।

भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं? देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां-कहां जुड़े है, इसका पर्दाफाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम-जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचा, चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो, पिछले साल हुए विश्व कप में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ज्योति को दुबई के एक कथित हैंडलर के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

यह खुलासा केवल ज्योति तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि इसके जरिये एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? इन बातों का खुलासा होना सुरक्षा एवं सैन्य गोपनीयता की दृष्टि से ज्यादा जरूरी है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को गंभीर पूछताछ के बाद कठोर सजा मिलनी चाहिए। दुश्मन चाहे देश के अंदर हो या बाहर उनके प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति निरंतर सख्ती के साथ कार्यरत रहनी ही चाहिए। सरकार और खुफिया एजेंसियां अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय संदिग्ध तत्वों की निगरानी और जांच को और तेज करने की दिशा में स्वाभाविक ही काम कर रही है। सरकार ने इन गिरफ्तारियों के बाद स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

(चिंतन-मनन)

संकल्प और साहस

चिंतन मनन

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो।

रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमेरिकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।

विचार मंथन

केंद्र की फंडिंग रोकने पर तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

(लेखक- सनत जैन)

तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा फंडिंग रोकने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाना, भारत के संघीय ढांचे के अस्तित्व पर एक अहम सवाल खड़ा करता है। यह विवाद केवल आर्थिक संसाधनों के वितरण का नहीं है। इससे कहीं अधिक संवैधानिक अधिकारों, राज्यों की स्वायत्तता और केंद्र-राज्य संबंधों को लेकर एक बड़ा विवाद है। तमिलनाडु सरकार का आरोप है, समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत तमिलनाडु को 291.30 करोड़ की राशि मिलनी थी। जिसे केंद्र सरकार ने रोक लिया है। तमिलनाडु राज्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेप-2020) और पीएम श्री योजना को लागू नहीं किया है। तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में यह मामला अनुच्छेद 131 के तहत दाखिल किया है, जो दर्शाता है, यह केवल वित्तीय अड़चन नहीं, बल्कि केंद्र एवं राज्य के बीच एक संवैधानिक संकट बन चुका है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी राज्य को केंद्र सरकार द्वारा फंडिंग में कटौती या देरी का सामना करना पड़ा हो। पहले भी पश्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल जैसे राज्यों ने इसी प्रकार की शिकायतें की हैं। सवाल यह है, क्या केंद्र सरकार अपने नीतिगत कार्यक्रमों को लागू कराने के लिए राज्यों पर वित्तीय दबाव डाल सकती है? क्या यह भारत के संघीय ताने-बाने को राजनीतिक हितों की पूर्ति करने के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ इस तरह की कार्रवाई कर रही है। संविधान में स्पष्ट है, शिक्षा केंद्र एवं राज्य सरकार की समवर्ती सूची का विषय है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की भूमिका अहम है। यदि कोई राज्य किसी नीति से असहमति रखता है। ऐसी स्थिति में उसे फंडिंग से वंचित करना संविधान के मूलभूत ढांचे के खिलाफ है। सहयोगात्मक संघवाद की परिकल्पना केवल भाषणों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे व्यवहार में भी उतारना केंद्र एवं राज्य सरकार दोनों के लिए ही आवश्यक है। तमिलनाडु सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाना केवल एक राज्य के संघर्ष का मामला नहीं है। उन सभी राज्यों के लिए एक संदेश है जो अभी तक केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों के हितों के खिलाफ जो निर्णय किए जा रहे हैं, उसके विरोध में न्याय की गुहार लगाने कोर्ट नहीं पहुंचे थे। केंद्र सरकार के लिए यह एक चेतावनी है। केंद्र सरकार अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार राज्यों पर शासन करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच दूरियां पैदा करने वाला होगा। तमिलनाडु की याचिका पर न्यायालय का फैसला केंद्र-राज्य संबंधों को पारदर्शी और संतुलित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी हो सकता है या अन्य नए विवाद भी खड़ा कर सकता है। तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपाल और राष्ट्रपति की समय सीमा निर्धारित करने के बाद जिस तरह से यह विवाद तूल पकड़ता जा रहा है इसी तरह के कई अन्य विवाद भी केंद्र एवं राज्यों के बीच खड़े हो सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र की ताकत संघीय शासन की विविधता और विकेंद्रीकरण में निहित है। आवश्यक है, केंद्र सरकार शक्ति के केंद्रीकरण की बजाय राज्यों को विश्वास में लेकर भागीदार बनाए। राज्य सरकारें केंद्र के अधीनस्थ नही हैं। केंद्र एवं राज्य दोनों ही निर्वाचित सरकारें हैं। तभी भारत एक मजबूत और न्यायसंगत राष्ट्र है। पिछले एक दशक में केंद्र एवं राज्यों के बीच जिस तरह के विवाद देखने को मिल रहे हैं, केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल निर्वाचित राज्य सरकार के ऊपर जिस तरह का अंकुश लगा रहे हैं, उसे लेकर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ चुके हैं। उनके पक्ष में फैसला आया था, लेकिन दिल्ली केंद्र शासित राज्य की तरह था केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर उपराज्यपाल के अधिकारों को ज्यादा प्रभावी बना दिया था। लेकिन अब जिन राज्यों के साथ विवाद खुलकर सामने आ रहे हैं यह पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त किए हुए हैं।

संविधान में इन्हें विशेष अधिकार प्राप्त हैं। केंद्र सरकार यदि इन्हें अपने अधीनस्थ मानकर व्यवहार करेगी तो ऐसी स्थिति में भारत का संघवाद जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक बना हुआ है, इसे ज्यादा दिन तक एकजुट नहीं रखा जा सकेगा। भारत एक ऐसा देश है जहां कई धर्म, कई भाषाओं, विभिन्न खान-पान, विभिन्न संस्कृति के साथ एकजुट होकर पिछले 75 वर्षों से संविधान के अनुसार काम करता रहा है। यह कोई छोटी अवधि नहीं है।

सिंदूर मिटाने वालों को मिट्टी में मिलाया

पीएम मोदी ने बीकानेर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा

22 अप्रैल का बदला, 22 मिनट में ले लिया

बीकानेर।

पाकिस्तान के सबक सीखने वाले ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम मोदी गुरुवार को बीकानेर पहुंचे। पीएम मोदी ने 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। पहलगाम में चली गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों की छाती छलनी हो गई थी। सभी ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि आतंकियों को मिट्टी में मिला देना है। और आज हम अपने प्रण में सफल हुए हैं। हमारी तीनों सेनाओं ने 22 मिनट में आतंकियों के 9 बड़े ठिकाने ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। दुश्मन और दुनिया ने देखा कि सिंदूर जब बारूद बन जाता है तो क्या नतीजा होता है। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों से कहता हूं जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है। जो सोचते थे कि भारत चुप रहेगा। आज वो घरों में दुबके पड़े हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते हैं, आज वो मलबे के ढेर में दबे हुए है। मेरे प्यारे देशवासियों, ये शोध-प्रतिशोध का खेल नहीं, ये न्याय का नया स्वरूप है। ये ऑपरेशन सिंदूर है। ये सिर्फ आक्रोश नहीं है। ये समस्त भारत का रौद्र रूप है। ये भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर किया था वार। अब सीधा सीने पर किया प्रहार है। आतंक का फन कुचलने की यही नीति है, यही रीति है। यही भारत है, नया भारत है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया ने और देश के दुश्मनों ने भी देख लिया कि जब सिंदूर, बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है। मैं जब एयरस्ट्राइक के बाद आया था, तब मैंने कहा था कि सौगंध मुझे इस मिट्टी की मैं देश नहीं मिटने दूंगा। मैं देश नहीं झुकने दूंगा। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में जो तिरंगा यात्राओं का हुजूम चल रहा है।

एटम बम की भभकियों से भारत डरने वाला नहीं पीएम मोदी ने कहा कि एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। हम आतंक के आकाओं और आतंकी सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे। उन्हें एक ही मानेंगे। पाकिस्तान का ये स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर वाला खेल अब नहीं चलेगा। आपने देखा होगा, पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए हमारे देश के सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल विश्वभर में पहुंच रहे हैं। इसमें देश के समस्त राजनीतिक दलों के लोग हैं। अब पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा। पाकिस्तान भारत से कभी सीधी लड़ाई जीत भी नहीं सकता। जब भी सीधी लड़ाई होती है, तो बार-बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ती है। इसलिए पाकिस्तान ने आतंकवाद को भारत के खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाया है। आजादी के बाद पिछले कई दशकों से यही चला आ रहा है। पाकिस्तान आतंक फैलाता था, निर्दोष लोगों की हत्या करता था।

भारत में डर का माहौल बनाता था लेकिन पाकिस्तान एक बात भूल गया। अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है।

मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है लेकिन लहू गर्म बहता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं गर्म सिंदूर बह रहा है।हर आतंकी हमले की चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

बिहार में फिर वंदे भारत पर बरसाए गए पत्थर, तोड़ डाले शीशे

गया।

बिहार में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक बार फिर असामाजिक तत्वों के निशाने पर आ गई है। गया जिले में कस्था रेलवे स्टेशन के पास वंदे भारत एक्सप्रेस पर हुए हमले में ट्रेन के इंजन का एक शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना उस समय हुई जब ट्रेन वाराणसी से रांची की ओर जा रही थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह घटना बुधवार शाम को हुई, जब वंदे भारत एक्सप्रेस कस्था रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी। अचानक कुछ असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे इंजन का एक शीशा टूट गया।इस घटना में सौभाग्य से कोई यात्री घायल नहीं हुआ। लेकिन, ट्रेन के क्षतिग्रस्त होने से रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई। रेलवे पुलिस ने असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। रेलवे प्रशासन ने इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। रेलवे पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों में शामिल न हों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करें। रेलवे प्रशासन ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे ट्रैक के आसपास निगरानी बढ़ाई जाएगी और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। इस घटना ने एक बार फिर रेलवे संपत्ति की सुरक्षा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जरूरत को उजागर किया है। रेलवे पुलिस ने जनता से अपील की है कि अगर उनके पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी है,

वक्फ कानून- सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सिब्बल बोले- 200 साल पुराने कब्रिस्तान भी छिन जाएंगे, सरकार अपनी गलती का फायदा नहीं उठा सकती

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन मुद्दों कोर्ट द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को डिनोटिफाइ करना, वक्फ-बाय-यूजर या वक्फ बाय डीड शामिल है।

फैसला सुरक्षित रखने से पहले सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने लगातार तीन दिनों तक वक्फ कानून का विरोध करने वाले याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक सिंघवी और सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनीं।

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ के दर्जे को लेकर एक बार जांच शुरू हो जाए तो रिपोर्ट आने तक वक्फ का दर्जा खत्म हो जाता है। देश में 200 साल से भी पुराने बहुत से कब्रिस्तान हैं।

200 साल बाद सरकार कहेगी कि यह मेरी जमीन है और इस तरह कब्रिस्तान की जमीन छीनी जा सकती है?

जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया

इस पर सीजेआई ने कहा, तो जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया गया। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा, उन्होंने (मुस्लिम समुदाय) रजिस्ट्रेशन इसलिए नहीं कराया क्योंकि यह राज्य की जिम्मेदारी थी, अब वे कहते हैं कि चूंकि उन्होंने पंजीकरण नहीं कराया, इसलिए यह समुदाय की गलती है। यदि आपके पास शक्ति है तो आप खुद की गलती का लाभ नहीं उठा सकते।

एक दिन पहले 21 मई की सुनवाई में केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा था कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो वक्फ बाय यूजर के आधार पर ही क्यों न हो।

पूरी दुनिया को पीएम मोदी का संदेश देने जा रहे, आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी

डेलीगेंशन में शामिल सांसदों ने पत्रकारों से कहा

नई दिल्ली।

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में रूस रवाना होने से पहले डेलीगेंशन में शामिल भाजपा सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा और राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को पूरी दुनिया को पहुंचाने जा रहे हैं कि हम आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में कोई कोताही नहीं करने वाले है। भारत की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ करने का दुस्साहस करेगा, तब उस मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और भाजपा सांसद कैप्टन चौटा ने खुशी जताकर कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया गया। यह मेरे लिए अद्भुत पल है कि पहली बार सांसद बनने के बावजूद भी मुझे यह मौका मिला। उन्होंने कहा कि वहां जाकर प्रधानमंत्री मोदी के संदेश पहुंचाएंगे कि हम आतंकवाद को किसी भी कीमत पर नहीं सहने नहीं वाले है। प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को पहले ही साफ कर चुके हैं कि हम व्यापार और आतंक को एक साथ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं, खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी स्थिति काफी पहले ही स्पष्ट कर चुका है।

वहीं, आप नेता और राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेकर कहा कि केंद्र और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए असलियत दिखा दी। इसके बाद से वह लगातार हो हल्ला कर रहा है और पूरी दुनिया में झूठ बोल रहा है कि भारत ने हमारे नागरिकों को निशाना बनाया और हमारे प्रतिष्ठानों पर हमले किए। ऐसा करके पाकिस्तान मुद्दों को डायवर्ट करने की कोशिश कर रहा है। हम अपने इसी संदेश को विदेश में पहुंचाना चाहते हैं कि भारत एक शांति प्रिय देश है, था और रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने करणी माता मंदिर में की पूजा-अर्चना, देश को दी 26 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

बीकानेर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर जिले के देशनोक में प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने 26,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई की सुबह राजस्थान के बीकानेर पहुंचे और सबसे पहले देशनोक में करणी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की।

उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत करते हुए करणी माता मंदिर में दर्शन किए और उसके बाद अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने पालना गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा अनेक मायनों में अहम है। उनके द्वारा देश को दी जाने वाली सौगातों के तौर पर ये परियोजनाएं न केवल यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाएंगी, बल्कि रेलवे बुनियादी ढांचे को आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार करने वाली साबित होंगी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री का यह दौरा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के ठीक एक महीने बाद हुआ है, जिससे इस यात्रा को और भी अधिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में देखा जा रहा है।

बीएसएफ ने फिर दिया पाकिस्तान को मुंहतोड़ जबाव, पांच पाकिस्तानी चौकियां और आतंकवादियों का लांचपैड नष्ट

नई दिल्ली।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू सीमा पर पांच पाकिस्तानी चौकियां और आतंकवादियों का एक लांचपैड नष्ट कर दिए। बीएसएफ एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और पीओके स्थित नौ आतंकी चौकियों को तबाह किया थ। इसके बाद दोनों देशों के बीच काफी ज्यादा तनाव बढ़ गया।

बीएसएफ कमांडेंट ने कहा, बीएसएफ ने उनकी गोलीबारी (पाकिस्तान द्वारा) का मुंहतोड़ जवाब दिया। हमने उनकी कई संपत्तियों को नष्ट कर दिया। मस्तपुर में उनका एक लॉन्चपैड था, उस तबाह कर दिया गया है। हमारी कार्रवाई के कारण उनकी पांच चौकियां पूरी तरह बर्बाद हो गईं और हमने पाकिस्तानी सेना के कई बंकर भी नष्ट कर दिए।

बीएसएफ कमांडेंट सोना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान लगातार नागरिक इलाकों और भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहा है।

उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तानी सेना का सामना कर रहे थे जो पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ मिलकर लड़ रही थी। हमने पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स दोनों को ही भयंकर नुकसान पहुंचाया। सोना ने कहा कि गोलीबारी बंद होने के बाद भी कई घंटों तक चौकियों से घायलों को अस्पताल ले जाने वाली एम्बुलेंस देखी गईं।

अधिकारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान महिला जवानों की भूमिका की प्रशंसा कर कहा, हर बीएसएफ बटालियन में महिला कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने घर जाने या बटालियन मुख्यालय लौटने से इंकार किया था। उन्होंने कहा कि वे अपने साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेंगी और पाकिस्तान को जवाब देंगी।

पाकिस्तान को धुआं-धुआं करने में 3 हजार अग्निवीरों ने दिखाई थी अपनी ताकत

नई दिल्ली।

भारत की तीनों सेनाओं की ताकत और उनकी वीरता जग जाहिर है। अब इसमें अग्निवीरों का भी नाम जुड़ गया है। करीब 3 हजार अग्निवीरों ने पाकिस्तान को धुआं-धुआं करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जब भारत की तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाए तो भारतीय सेना के लगभग 3000 से अधिक अग्निवीरों ने भी अपनी बहादुरी दिखाई। इन्हें बीते दो वर्षों में अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किया गया था। इन जांबाजों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु रक्षा प्रणाली को संभालने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

बता दें कि यह ऑपरेशन 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में भी चलाया गया था, जिसमें कई भारतीय सैन्य ठिकानों, एयरबेस और शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। सेना के सूत्रों के अनुसार, अग्निवीरों ने इस चुनौतीपूर्ण समय में अपने प्रशिक्षण का पूरा उपयोग किया और अपने साहस व निष्ठा से सेना के नियमित जवानों के बराबर प्रदर्शन किया। सेना के वायु रक्षा यूनिट्स से मिले फीडबैक के अनुसार, अग्निवीरों ने दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम कर भारत की रक्षा में अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों को विफल करने वाली कई एयर डिफेंस सिस्टम में से प्रत्येक में 150-200 अग्निवीर थे।

अग्निवीरों ने स्थानीय रूप से विकसित आकाशतीर वायु रक्षा नियंत्रण प्रणाली को संचालित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई। यह प्रणाली दुश्मन के हमलों की त्वरित पहचान और जवाबी कार्रवाई में अहम साबित हुई। आकाशतीर को पिछले वर्ष ही सेना में शामिल किया गया था और यह भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली का मुख्य हिस्सा बन गया है।पश्चिमी मोर्चे पर तैनात एडी यूनिट्स में अग्निवीरों को चार प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञता दी गई थी गनर्स, फायर कंट्रोल ऑपरेटर्स, रेडियो ऑपरेटर्स और हैवी ड्यूटी व्हीकल ड्राइवर्स। उन्होंने एल-70, जेडयू-23-2बी, ओसा-एके, पिचोरा, टुंगुस्का जैसी बंदूकें और मिसाइल प्रणालियों को संभाला और अनेक राडार सिस्टम्स व संचार नेटवर्क का संचालन किया।

मुश्किलों में काम आए अग्निवीर

भारत-पाकिस्तान की इस लड़ाई ने अग्निपथ योजना की प्रासंगिकता को एक बार फिर साबित किया। इस योजना को 2022 में लागू किया गया था। इसके तहत सैनिकों को केवल 4 वर्षों के लिए भर्ती किया जाता है। उनमें से सिर्फ 25 प्रतिशत को ही आगे 15 साल के लिए नियमित सेवा में शामिल किया जाता है। हालांकि योजना को लेकर राजनीतिक बहस और विरोध भी हुआ, लेकिन इस सैन्य संघर्ष ने यह साबित किया है कि अग्निवीर भी युद्ध जैसी परिस्थिति में उतने ही सक्षम और प्रभावशाली हैं जितने कि पारंपरिक सैनिक।

सार्वजनिक एवं निजी उपक्रम ट्रेनिंग पर किए खर्च को वसूल कर सकती हैं ट्रेनी से

ट्रेनिंग के बाद नौकरी छोड़ना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पीएस नरसिंम्हा और जस्टिस जयमाला बागची की पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। विजया बैंक बनाम प्रशांत बी नरनावरे प्रकरण में 14 मई को यह फैसला कोर्ट द्वारा सुनाया गया है। फैसले में कहा गया है, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और निजी क्षेत्र की कंपनियां अपने कर्मचारियों को ट्रेंड करती हैं।

भरती करने में काफी पैसा खर्च करती हैं। उनसे सर्विस का बांड भराती है। उसका पालन करना ट्रेनी और कर्मचारियों के लिए आवश्यक है। यदि कर्मचारी ऐसा नहीं करता है। तो ट्रेनिंग पर जो खर्च हुआ है। उसकी भरपाई सार्वजनिक और निजी कंपनियां करने के लिए स्वतंत्र हैं।

सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए एक प्रक्रिया अपनाई।

जिसमें भारी पैसा खर्च हुआ। उसके बाद ट्रेनिंग में पैसा खर्च किया।

बीच में कोई अधिकारी या कर्मचारी नौकरी छोड़कर जाता है। ऐसी स्थिति में नियोक्ता को ट्रेनिंग खर्च को वसूल करने क अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त करते हुए विजया बैंक की याचिका को स्वीकार किया।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति और ट्रेनिंग दी जाती है।

इस फैसले के बाद उनके लिए बीच में नौकरी छोड़ना आसान नहीं होगा। नौकरी छोड़ने पर उन्हें हर्जाना देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

लद्दाख में कांपने लगी धरती, लोग घर से निकले और रातभर भूकंप रुकने का इंतजार करते रहे

लद्दाख।

बुधवार-गुरुवार रात के दरम्यान लद्दाख में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल पड़े और खुले आसमान के नीचे बैठकर पूरी रात बिताई। जब भूकंप थम गया तब घरों के भीतर गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, बुधवार को लद्दाख के लेह में रिक्टर पैमाने पर 3.5 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप के झटके रात 11:46 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर आए।

मध्य प्रदेश के बैतूल में भूकंप

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, बुधवार तड़के मध्य प्रदेश के बैतूल में रिक्टर पैमाने पर 2.8 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस ने बताया कि भूकंप सुबह 2:59 बजे पांच किलोमीटर की गहराई पर आया। एक्स पर कहा गया कि मध्य प्रदेश के बैतूल में 2.8 की तीव्रता वाला भूकंप आया है।

हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, सुबह तकरीबन 11.30 बजे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। चीफ जस्टिस को मेल के जरिए धमकी मिली है। इसके बाद दो बजे तक के लिए हाईकोर्ट खाली करवा दिया गया। वहीं चंडीगढ़ के एलांते मॉल में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर आपरेशन सेल, बम डिटेक्शन टीम और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और पूरे मॉल को खाली करवाया गया। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया और बम जैसी संदिग्ध वस्तु पुलिस ने बरामद की। इसे बाहर निकालकर पुलिस ने लोगों को बताया कि यह सुरक्षा के मद्देनजर मॉक ड्रिल की गई थी।

जासूसी कांड में गिरफ्तार नोमान आठ दिन की रिमांड पर

-नोमान इलाही की डिलीट व्हाट्सएप चैट और वॉइस मैसेज अब तक रिकवर नहीं हुई

पानीपत।

हरियाणा के पानीपत से पाकिस्तान के लिए जासूसी कांड में गिरफ्तार नोमान को पुलिस ने आठ दिन के रिमांड पर लिया है। नोमान के खाते में कोई खास पैसा नहीं आया है, जिससे ज्यादा जानकारी प्राप्त नहीं हो पा रही है। नोमान इलाही की डिलीट व्हाट्सएप चैट और वॉइस मैसेज अब तक रिकवर नहीं हुई है। एसपी ने बताया कि नोमान पाकिस्तान में बैठे हैंडलर इकबाल काना के संपर्क में था, जो केवल मूवमेंट लेने के लिए भेजा जाता था। चार दिन का रिमांड लेने के बाद भी पुलिस ने मीडिया के साथ कोई जानकारी साझा नहीं की, इससे सवालिया निशान उठता है। पुलिस द्वारा नोमान के खातों से नगद रुपये लेने का आरोप है, जिससे उसका संदिग्ध होने पर और जांच की जा रही है। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है और पुलिस ने नोमान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का तेवर दिखाया है। एसपी ने बताया कि कोई भी डिटेल न छूटे, इसलिए और 4 दिन का और डिमांड लिया गया है। उन्होंने बताया कि पैसों के लालच में नोमान पाकिस्तान में बैठे इकबाल काना के सम्पर्क आया। सवाल यह है कि अगर नोमान इलाही पाकिस्तान का इतना बड़ा जासूस नहीं था तो क्यों 7 दिन से पुलिस ने मीडिया के साथ जानकारी साझा नहीं की? क्यों आज तक मीडिया में उसका फोटो व वीडियो जारी नहीं किया? क्यों पुलिस ने चार दिन का फिर रिमांड लिया? पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशान खड़े होते हैं।

हिंदी भाषा में मेडिकल में टॉप करने पर मातृभाषा रत्न पुरस्कार

जबलपुर। मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी ने हिंदी भाषा में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार एमबीबीएस और डेंटल संकाय के जो छात्र-छात्रा हिंदी भाषा में परीक्षा देकर टॉप करेंगे। उन्हें मातृभाषा रत्न की उपाधि तथा नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। स्नातक पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा में टॉप करने वाले छात्र को 200000 रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। हर साल टॉप करने वाले विद्यार्थी को 100000 रुपये दिया जाएगा। यह योजना चिकित्सा शिक्षा में हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की उच्च स्तरीय समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में विश्व जैव विविधता दिवस पर जागरूकता शिविरों का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार कल 22 मई 2025 को विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर सहित अधीनस्थ तालुकाओं खंडार, बौंली, बामनवास एवं गंगापुर सिटी में आमजन को पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूक करने हेतु जागरुकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिला विधिक चेतना समिति के सदस्य कृष्णपाल सिंह, अधिकार मित्र मुकेश कुमार शर्मा, गिर्राज रैगर, मगनलाल मीना द्वारा ग्राम पंचायत एवं आंगनवाड़ी केन्द्र सूरवाल में, अधिकार मित्र सुमित्रा देवी एवं अनिता गर्ग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 20 सुनारों का कटला, शहर सवाई माधोपुर में, न्यायमित्र नंदकिशोर बैरवा एवं अधिकार मित्र सुमित्रा देवी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र आलनपुर में, अधिकार मित्र रणवीर चौधरी द्वारा नगर परिषद सवाई माधोपुर में पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन कर उपस्थित आमजन को पर्यावरण संरक्षण का महत्व, प्रदूषण कम करने के उपायों, पेड़ों की सीमित कटाई, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरण का क्षरण करने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध, जल का अपव्यय रोकने के लिए किए जा सकने वाले उपायों, बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली, पौधारोपण का महत्व, वर्षा जल का संचय, पारम्परिक जल स्रोतों जैसे तालाबों, कुओं, बावड़ियों का रख-रखाव, जल प्रदूषण को कम करने के उपायों, जल का मितव्ययिता के साथ उपयोग आदि विषयों के संबंध में जानकारी प्रदान कर आमजन को जागरूक किया गया। इसी प्रकार पैनल अधिवक्ता हरिलाल बैरवा, रमेशचंद तेहरिया, नगाराम मीना, रविशंकर गर्ग द्वारा न्यायालय परिसर खंडार में, पैनल अधिवक्ता अनिल कुमार शर्मा, मोहम्मद जाहिद शिरवानी एवं अधिकार मित्र बामचंद भदौरिया, अखिलेश शर्मा, भौंरी बाई मीना द्वारा पंचायत समिति बौंली में, पैनल अधिवक्ता रामसिंह मीना एवं अधिकार मित्र राकेश कुमार मीणा द्वारा बामनवास पट्टी कलां में, पैनल अधिवक्ता नीरज खंडेलवाल एवं संतोष कुमार द्वारा गंगापुर सिटी में पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन कर उपस्थित आमजन को बताया गया कि प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से हो रहा दोहन आज एक प्रमुख समस्या बन गई है। प्राकृतिक संसाधनों के लगातार हो रहे अंधाधुंध दोहन ने हमारे पर्यावरण एवं जैवविविधता के लिए खतरा पैदा कर दिया है। अत: हमें पर्यावरण के संरक्षण एवं जैव विविधता को बनाये रखने के लिये सक्रिय कदम उठाने चाहिए। प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक से बने उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। घरों एवं कारखानों से निकले कचरे का उचित निस्तारण किया जाना चाहिए एवं दूसरों को भी इसके लिये प्रेरित करना चाहिए। हमें पर्यावरण प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है, प्रदूषण को कम करके ही हम स्वस्थ जीवन की कामना कर सकते है। साथ ही वन्यजीवों और वनस्पतियों की रक्षा करके जैव विविधता को बनाए रखना भी जरूरी है। जल संसाधनों की रक्षा करके हम जल की कमी की समस्या एवं जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले दुष्परिणामों से निपट सकते है।

रोजगार सहायता शिविर में हजारों युवाओं के सुनहरे भविष्य की राह हुई प्रशस्त

*1 हजार 327 युवा आशार्थियों का हुआ प्राथमिक चयन, 97 को मिलेगा प्रशिक्षण *शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि की कार्यक्रम में शिरकत

जयपुर। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर के तत्वावधान में गुरुवार को बनीपार्क स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनीपार्क जयपुर में कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर रोजगार सहायता शिविर का उद्घाटन किया।

उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर की उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया कि रोजगार सहायता शिविर में 1 हजार 904 आशार्थियों ने भाग लिया। उक्त रोजगार सहायता शिविर में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फॉर्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित 30 निजी नियोजकों ने मौके पर ही 1 हजार 327 युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया एवं प्रशिक्षण हेतु 97 आशार्थियों का चयन किया गया। इस प्रकार उक्त आयोजन में कुल 1 हजार 424 आशार्थी लाभान्वित हुए। इस मौके पर अतिथियों द्वारा 10 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले 05 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. समित शर्मा ने निजी क्षेत्र के नियोजकों को एवं उपस्थित सभी बेरोजगार आशार्थियों को जीवन में मन को शांत एवं एकाग्रचित रखते हुए निरंतर आगे बढते रहने का संदेश प्रदान किया तथा तन से अधिक मन की शक्ति का महत्व बताया।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही की बजट घोषणा में रोजगार मेलों का आयोजन कर आगामी वर्ष में 01 लाख 50 हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित है, इस उद्देश्य से उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा रोजगार सहायता शिविर का आयोजन कर निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ बेरोजगार युवाओं को प्रदान किया गया।

उक्त आयोजन के उक्त आयोजन के विशिष्ट अतिथि रोजगार विभाग के निदेशक, श्री धर्मपाल मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को प्रति माह बेरोजगारी भत्ता राशि के रूप में भुगतान कर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है, एवं राज्य सरकार के कौशल,रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य-योजना के अन्तर्गत संपूर्ण प्रदेश में रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों में बेरोजगार आशार्थियों का प्राथमिक चयन करवाया जाता है। इस अवसर पर विभाग के संयुक्त निदेशक, श्री जगदीश निर्वाण, श्री श्यामलाल साटोलिया, आईटीआई विभाग के संयुक्त निदेशक, श्री नीरज माथुर, एवं उपनिदेशक, श्री संदीप नाग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर स्वरोजगार की जानकारी एवं कैरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस मौके पर आईटीआई, आरएसएलडीसी, एनसीएस फॉर एसटी,एससी के अधिकारी एवं प्रतिनिधि ने रोजगार सहायता शिविर में भाग ले कर अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कीं।

जिला कलक्टर के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशपर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं एनटीसीपी सेल ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर-प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि कार्रवाई दल ने राजा पार्क स्थित गुरूनानकपुरा श्रीनाथ जनरल स्टोर पर कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 7 के तहत कार्रवाई को अंजाम देते हुए 13 हजार से ज्यादा की कीमत के 110 पैकेट विदेशी सिगरेट बरामद की है।

13 हजार से अधिक की कीमत के विदेशी सिगरेटे बरामद किये

नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर की बैठक में जिला कलक्टर ने दिये थे निर्देश

उन्होंने बताया कि जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर की बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये।

निर्देशों की त्वरित एवं प्रभावी अनुपालना में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि कोटोपा अधिनियम में प्रावधान है कि तंबाकू उत्पाद जिनके आवरण के 85 फीसदी पर दृश्य चेतावनी एवं शेष भाग में शाब्दिक चेतावनी होना आवश्यक है यह नहीं पाये जाने के कारण कार्रवाई की गई है।

अधिनियम में विहित प्रावधानों की अनुपालना में आरोपी के विरुद्ध जिला सेशन न्यायालय में चालान पेश किया है। कार्रवाई दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री नरेश कुमार, श्री विनोद शर्मा, कोटपा की जिला इकाई के समन्वयक श्री अर्पित शर्मा मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह ने परिंडे लगाओ परिंदे बचाओ अभियान की शुरुआत की

जयपुर। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह ने पड़ रही भीष्ण गर्मी को देखते हुए एक नए अभियान परिंडे लगाओ परिंदे बचाओ की शुरुआत की गई परिंडे लगाओ परिंदे बचाओ अभियान की शुरुआत आज लाल मंदिर का रास्ता झोटवाड़ा, जयपुर में सड़क किनारे पार्क में 50 परिंडे लगा कर की इस अभियान के दौरान चौधरी धर्मेंद्र सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष, चौधरी रामवती सिंह राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ के निर्देश में युवा प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर राहुल शर्मा एवं प्रदेश महासचिव प्रियंका माली,सचिव कुंदन टहलानी, जिला उपाध्यक्ष कमलेश कंवर इत्यादि मौजूद थे इस अभियान की शुरुआत के दौरान सभी पदाधिकारिगण ने मानव समाज को संदेश दिया कि मनुष्य जन्म बड़े ही सौभाग्य की बात है

लेकिन जब तक नर सेवा,पशु पक्षी एवं गौ सेवा में अपना योगदान ना दे तब मनुष्य जीवन व्यर्थ है। आज हमने यह परिंडे लगायें तो हमें मनुष्य जन्म लेने का मतलब समझ आया और आगे भी हम इस तरह के अभियान चलाते रहेंगे साथ ही में सभी मनुष्य जीवन जीने वालों से भी इस तरह के अभियान चलाकर अपने जीवन को साकार करने का संदेश देते हैं।

अभियान की सफलता पर राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा सभी पदाधिकारी गणों को बधाई दी गई और जय जवान जय किसान के नारे लगाए गए।

रोजगार सहायता शिविर में 129 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन

24 निजी कम्पनियों ने लिए साक्षात्कार, 127 स्वरोजगार आवेदन, 143 का प्रशिक्षण के लिए हुआ पंजीयन

सवाई माधोपुर। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिले के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला रोजगार कार्यालय परिसर में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय विवेक भारद्वाज ने बताया कि रोजगार सहायता शिविर में निजी क्षेत्र की 24 कम्पनियों/संस्थानों द्वारा मौके पर ही बेरोजगार युवकों का साक्षात्कार लेकर 129 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया। वहीं विभिन्न राजकीय विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं के 127 आवेदन पत्र भी कार्यकम स्थल पर ही तैयार की गए। इस दौरान राजस्थान कौशल एवं राजीविका विकास निगम सवाई माधोपुर द्वारा 143 बेरोजगार युवाओं का प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र भी तैयार करवाए गए।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में तिरंगा यात्रा में उमड़ा गंगापुर शहर

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में गंगापुर शहर में तिरंगा शौर्य यात्रा आयोजित की गई। इस यात्रा का नेतृत्व जिला संयोजक मनोज बंसल, विधानसभा संयोजक शिवरतन अग्रवाल और भाजपा नेता डॉ. हेमंत शर्मा ने किया।यात्रा शाम 5 बजे पुरानी अनाज मंडी स्थित श्रीसीताराम जी मंदिर से प्रारंभ हुई। यह कचहरी रोड, थाना के सामने, नेहरू पार्क, देवी स्टोर चौराहा, चौपड़, बाजार, कैलाश टॉकीज, जामा मस्जिद और फव्वारा, चौक होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुंची।यात्रा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। महिला मोर्चा, युवा मोर्चा तथा चिकित्सा और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी भागीदारी की। सभी लोग हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगा रहे थे। मार्ग में कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।

शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र में लावारिश लाश मिली

जयपुर। गुरूवार 22 मई 2025 को जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में एक लावारिश लाख मिली है जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस कन्ट्रोल रूम जयपुर शहर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति की लाश जिसकी उम्र लगभग 55-56 साल के मध्य है, नंगे पैर, पैरों में छाले हो रखे हैं, सिर और दाढ़ी में छोटे सफेद बाल हैं, ऊपर कुर्ता एवं नीचे लाईनदार सिली हुई अण्डरवियर पहन रखी है। आस-पड़ौस में पूछताछ में पता चला कि थोड़ी देर पहले यहीं हाथ में पानी की बोतल लेकर इधर-उधर घूम रहा था। मृतक की लाश कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखी हुई है।

आमजन से अपील है कि अगर किसी को भी इस लावारिश लाश के बारे में कोई जानकारी हो तो **पुलिस थाना शास्त्रीनगर,** जयपुर को फोन नं. **0141-2304135** पर सूचित करें।

जयपुर से फरार प्रॉपर्टी डीलर हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर पुलिस ने प्रॉपर्टी व्यवसायी चंदन सिंह की हत्या के मामले में फरार आरोपी कानाराम को जयपुर से गिरफ्तार किया है। कानाराम पर 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित था और वह जोधपुर जिले के पश्चिम क्षेत्र के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल था।

कुड़ी भगतासनी थाना अधिकारी हमीर सिंह भाटी के अनुसार, मार्च महीने में हुई हत्या के बाद कानाराम फरार हो गया था। आरोपी ने जयपुर, अहमदाबाद और बेंगलुरु में छुपकर अपना ठिकाना बदला। बेंगलुरु में 8 से 10 दिन रहने के बाद वह वापस जयपुर आकर मजदूरी करने लगा। पुलिस को इसकी सूचना मिली और टीम गठित कर उसे जयपुर से पकड़ लिया गया।

21 मार्च को भवानी सिंह ने कुड़ी भगतासनी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया था कि चंदन सिंह को धमकियां मिलने के बाद मोती मार्केट पुलिया के नीचे धारदार हथियार से हमला किया गया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले में अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है और अब कानाराम की गिरफ्तारी से इस हत्या की गुत्थी सुलझने की उम्मीद है।ये भी पढ़ें - अपने राज्य / शहर की खबर अख़बार से पहले पढ़ने के लिए क्लि

90% अंक प्राप्त कर शिवानी सैनी बनी नटवर नागर विद्यालय की टॉपर

शैलेन्द्र कुमार
विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। कल जारी हुए 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में खानपुर बड़ौदा स्थित नटवर नागर उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा शिवानी सैनी पुत्री संदीप सैनी ने 90त्न अंक लाकर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छात्रा का उत्साह बर्धनकरने के लिए विद्यालय स्टाफ ने छात्रा के घर जाकर बधाई दी एवं माला पहना कर उत्साहवर्धन किया जिसमें निदेशक नीटू सिंह धावाई, धर्मेंद्र फौजदार, अब्दुल कलाम, हेमराज शर्मा ,नटवर सिंह ,महेंद्र सिंह चौधरी ,धर्मेंद्र सेन आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि नटवर नागर विद्यालय का समस्त परिणाम 100त्न रहा जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने 85त्न प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं।

केन्द्रीय कारागृह का किया औचक निरीक्षण

जोधपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जोधपुर महानगर अजय शर्मा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर के सचिव राकेश रामावत द्वारा बुधवार को केन्द्रीय कारागृह, जोधपुर का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय कारागृह के अधीक्षक प्रदीप लखावत एवं अन्य कारागृह के कर्मचारीगण, एलएडीसी के अधिवक्तागण एवं पीएलवी उपस्थित रहे।

हेरिटेज नगर निगम सतर्कता उपायुक्त के नेतृत्व में रामगंज बाजार से अवैध अतिक्रमण ठेले हटवाये

रामगंज बाजार में कार्यवाही करवाते सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह।

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रामगंज बाजार में दुकानदारों द्वारा बरामदे में किए गए अवैध अतिक्रमणों एवं सड़क पर ठेले लगाकर सड़क पर किये गये अतिक्रमण को भी हटवाया गया ।

कार्यवाही के दौरान सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह अपने जाप्ते के साथ कार्यवाही की गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717